RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार, 20 दिसंबर 2022 वर्ष 04 अंक 210 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

महाराष्ट्र के 55 गांव के लोगों ने की गुजरात में

विलय की मांग...

महाराष्ट्र : सुरगाना तालुका के अंतर्गत आने वाले 55 गांव, जो इस समय महाराष्ट्र के नासिक जिले में आते हैं, गुजरात में विलय चाहते हैं, क्योंकि वे 'विकास का स्वाद' चखना चाहते हैं, जो उनके पास आजादी के 75 साल बाद भी नहीं पहुंचा है. सुरगना तालुका संघर्ष समिति द्वारा वंसदा डिप्टी कलेक्टर को सौंपा गया ज्ञापन राज्य सरकार को भेजा जा रहा है. नवसारी के जिला कलेक्टर अमित यादव ने सोमवार को बताया, ''वंसदा के डिप्टी कलेक्टर ने मुझे सूचित किया था कि सुरगाना तालुका के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात की और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा. वे अपने गांवों को गुजरात में विलय कराना चाहते हैं. यह ज्ञापन राज्य सरकार को भेजा जा रहा है.''

क्या बोले ग्रामीण ?

एक अन्य ग्रामीण हेमंत वाघेरे ने कहा, ''जिला स्तर पर अस्पताल, बस टर्मिनस, स्कूल और कॉलेज हो सकते हैं, लेकिन तालुका मुख्यालय के सरकारी अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं हैं, कोई कॉलेज नहीं है. 55 गांवों के ग्रामीणों को निजी वाहनों में यात्रा करनी पड़ती है.'' दोनों ने दावा किया कि उनका गुजरात के ग्रामीणों के साथ सामाजिक संबंध हैं, वे अपनी बेटियों की शादी गुजरात के पुरुषों से करते हैं, इसलिए अगर सुरगना तालुका के 55 गांवों को गुजरात में मिला दिया जाए, तो यह सामाजिक रूप से अच्छा होगा और इन गांवों का भी जल्द ही विकास होगा. डिप्टी कलेक्टर ने मीडिया से कहा कि अगर कोई गांव या तालुका पड़ोसी राज्य में विलय करना चाहता है तो दोनों राज्यों की विधानसभाओं में प्रस्ताव पारित होने पर ही यह संभव है.

क्या बोले राकांपा के अध्यक्ष?

सुरगना तालुका की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) इकाई के अध्यक्ष चिंतामन गावित ने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया. उन्होंने दो हफ्ते पहले वंसदा के डिप्टी कलेक्टर एम. एस. वसावा को ज्ञापन दिया था और अब जिला पंचायत में पारित 55 गांवों के गुजरात में विलय के अनुरोध वाला एक प्रस्ताव भी सौंपा है. उन्होंने कहा कि गुजरात के गांवों में विकास हुआ है, जबकि गुजरात की सीमा से सटे महाराष्ट्र के सुरगना तालुका और उसके गांवों में कोई विकास नहीं हुआ है.

नवी मुंबई में गोवा से शराब की तस्करी

नवी मुंबई : खारघर नोड के तहत आने वाले कोपरागांव के पास राज्य आबकारी विभाग के पनवेल विभाग ने शराब की पेटियों से भरी एक ट्रक को पकड़ने में सफलता पाई है। जांच करने पर इस ट्रक में 898 बॉक्स शराब मिली। यह शराब गोवा से तस्करी कर के नवी मुंबई और मुंबई में लाई जा रही थी, जिसकी कीमत 76 लाख 77 हजार 840 रुपए आंकी गई है। इस मामले में राज्य आबकारी पनवेल विभाग के अधिकारियों ने ट्रक चालक समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

राज्य आबकारी विभाग की रायगढ़ जिला अधीक्षक कीर्ति शेडगे के अनुसार, उक्त मामले में ट्रक चालक संदीप पंडित और उसके साथी समाधान धर्माधिकारी को गिरफ्तार कर के शराब समेत ट्रक को जब्त किया गया है। उन्होंने बताया कि क्रिसमस और नए साल के जश्न की पृष्ठभूमि में गोवा राज्य से बड़ी मात्रा में अवैध शराब महाराष्ट्र में लाई जा रही है। इसके बारे में राज्य के उत्पादन शुल्क विभाग के आयुक्त विजय सूर्यवंशी को गुप्त सूचना मिली थी। उनके आदेशानुसार कोंकण मंडल के निदेशक सुनील चव्हाण के मार्गदर्शन में खारघर नोड के कोपरा गांव के पास गुजरने वाले पनवेल-सायन मार्ग पर जाल बिछाकर उक्त ट्रक को पकड़ा गया।

.... दो गिरफ्तार, इतने लाख का माल जप्त!

विशेष टीम का किया गया था गठन...

गोवा से अवैध तौर से शराब लाने वालों को पकड़ने के लिए रायगढ़ जिले के आबकारी विभाग की अधीक्षक कीर्ति शेडगे और उपायुक्त प्रसाद सुर्वे के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। जिसमें निरीक्षक संजय पुरलकर, उप निरीक्षक प्रमोद कांबले, शिवाजी गायकवाड, सहायक उप निरीक्षक सुभाष जाधव, आरक्षक विलास चव्हाण, महिला आरक्षक रमा कांबले आदि शामिल थे। इस टीम ने कोपरा गांव के पास संदेहास्पद ट्रक क्रमांक जीजे-06-बीटी-9717 रोककर निरीक्षण किया गया। तब इसमें गोवा से लाई जा रही शराब होने की पुष्टि हुई।

जनवरी में बकाएदारों की प्रॉपर्टी नीलाम करेगी बीएमसी

17 साल पहले की थी इस तरह की नीलामी मुंबई में लगभग 5,000 प्रॉपर्टी की हैं जब्त!

मुंबई: कोरोना संकट, प्रॉपर्टी टैक्स में माफी के कारण बीएमसी की आय के स्रोत सीमित हो गए हैं। इसीलिए बीएमसी ने प्रॉपर्टी टैक्स न भरने के कारण जब्त प्रॉपर्टी की नीलामी करने का फैसला किया है। बीएमसी ने मुंबई में लगभग 5,000 प्रॉपर्टी जब्त की हैं। इनमें से 3945 प्रॉपर्टी की नीलामी जनवरी 2023 में करने की बीएमसी ने योजना बनाई है। बीएमसी के जॉइंट कमिश्नर सुनील धामने ने बताया कि जो लोग प्रॉपर्टी टैक्स भरने में आनाकानी करते हैं या जिनका वर्षों से टैक्स नहीं भरा गया है। ऐसे लोगों की करीब 5000 प्रॉपर्टी बीएमसी ने जब्त की है। नीलामी से पहले कई तरह की कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करनी पड़ती हैं, इसलिए इसमें थोड़ा टाइम लग रहा है।

बचाने का है एक मौका

धामने ने बताया कि पहले चरण में 3945 प्रॉपर्टी को नीलाम करने की योजना है। यदि नीलामी प्रक्रिया शुरू होने से पहले बकाएदार 25 प्रतिशत बकाए का भुगतान कर बाकी के लिए पोस्ट डेटेड चेक देते हैं तो उनकी प्रॉपर्टी नीलामी होने से बच सकती है। जब्त की गई संपत्तियों की सीधे नीलामी नहीं की जाएगी। प्रॉपर्टी की वैल्यू निकालकर उसके लिए नीलामी विज्ञापन दिया जाएगा। साथ ही बीएमसी की वेबसाइट और न्यूजपेपर में नोटिस प्रकाशित किए जाएंगे। अधिकारी ने बताया कि प्रॉपर्टी की नीलामी से पहले कई प्रॉसेस पूरे करने होते हैं। 21 दिन पहले नोटिस भेजा जाता है, तय समय सीमा में पैसा न भरने के बाद प्रॉपर्टी को अटैच कर दिया जाता है। फिर पानी और बिजली का कनेक्शन काट दिया जाएगा। उसके बाद लीगल नोटिस जारी कर प्रॉपर्टी को ऑक्सन में डाल दिया जाता है। यदि बीएमसी प्रॉपर्टी की नीलामी करती है तो ऐसा 17 साल बाद होगा।

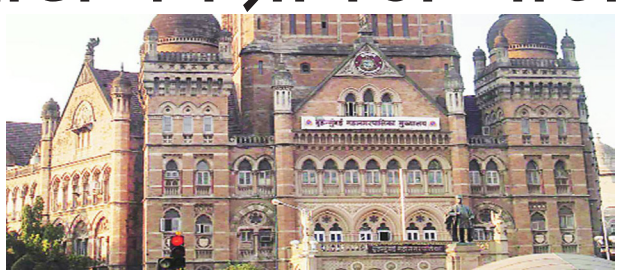

बीएमसी ने 25 प्रतिशत बकाए का भुगतान पर बच सकती है प्रॉपर्टी

2005 में हुई थी नीलामी

इससे पहले बीएमसी ने वर्ष 2005 में आखिरी बार जब्त प्रॉपर्टी की नीलामी की थी। धामने ने बताया कि वर्ष 2022-2023 में बीएमसी ने प्रॉपर्टी टैक्स से 7000 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य रखा है। बीएमसी को मौजूदा आर्थिक वर्ष में अब तक 1,850 करोड़ रुपये प्रॉपर्टी टैक्स से मिल चुके हैं। बीएमसी ने सभी बकाएदारों को प्रॉपर्टी टैक्स का बिल भेज दिया है। हमें उम्मीद है कि बीएमसी टैक्स वसूली का लक्ष्य प्राप्त करने में सफल रहेगी। बता दें कि प्रॉपर्टी टैक्स बीएमसी की कमाई का मुख्य स्रोत रह गया है। बीएमसी का 3000 करोड़ रुपया प्रॉपर्टी टैक्स के रूप में नागरिकों पर बकाया है। साथ ही बीएमसी के प्रॉपर्टी टैक्स बकायेदारों में आवासीय इमारत, व्यावसायिक संस्थान, औद्योगिक संस्थान, ओपन स्पेस, लघु उद्योग, सरकारी स्वामित्व वाली संपत्ति, शैक्षणिक संस्थान व मॉल्स आदि शामिल हैं।

संपादकीय / लेख

बेनकाब हुआ झूठ

कोरोना संकट के तत्काल बाद स्वदेशी वैक्सीन तैयार करने व जरूरतमंद देशों की मदद करने पर दुनिया में भारत की खूब वाहवाही हुई। देश ने अनेक गरीब मुल्कों को संकट से उबरने के लिये जीवन-रक्षक उपकरण उपलब्ध कराये। तब भी डब्ल्यूएचओ ने भारतीय वैक्सीन को मान्यता देने में अनावश्यक विलंब किया। वहीं अब अफ्रीकी देश गाम्बिया में जब बड़ी संख्या में बच्चों की मृत्यु हुई तो आरोप लगा कि हरियाणा की एक दवा कंपनी के सिरप के सेवन से ये मृत्यु हुईं। विडंबना यह है कि आरोप संयुक्त राष्ट्र की संस्था डब्ल्यूएचओ ने लगाये। दुर्भाग्यपूर्ण यह कि बिना किसी जांच के ये आरोप भारतीय दवा कंपनी पर मढ़े गये। भारत विरोधी पश्चिमी मीडिया ने इस खबर को खूब रस लेकर छापा। अब भारत सरकार ने जांच में पाया कि गाम्बिया में बच्चों की मौत में भारतीय कंपनी के सिरप की कोई भूमिका नहीं थी। बिना किसी ठोस आधार के ऐसे बेतुके आरोप लगाने पर भारत सरकार ने डब्ल्यूएचओ को आड़े हाथ लिया है। भारत सरकार ने इस बाबत आधिकारिक आपत्ति जताई है। दरअसल, भारत के ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ने जांच के बाद पाया कि गाम्बिया में बच्चों की मौत में सिरप का कोई लेना-देना न था। हालांकि, इससे पहले बीते माह गाम्बिया की सरकार कह चुकी थी कि बच्चों की मौत से भारतीय दवा निमार्ता कंपनी के सिरप का कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन सवाल यह है कि क्या डब्ल्यूएचओ के आरोपों से भारतीय फार्मा कंपनियों की छवि को हुए नुकसान की भरपाई हो पायेगी?

निस्संदेह, दुनिया की प्रतिष्ठित संस्था की इस तरह की गैर-जिम्मेदार बयानबाजी दुर्भाग्यपूर्ण है। क्या इसके मूल में भारत विरोधी ताकतों की साजिश थी? यदि हां तो उसकी जांच की जानी चाहिए। हाल के वर्षों में अफ्रीका व गरीब मुल्कों में भारतीय दवा कंपनियों की अच्छी पहचान बनी है। एक तो दवाएं सस्ती हैं, वहीं कारगर भी। इस लोकप्रियता से बौखलाई भारत विरोधी ताकतों ने गाम्बिया की घटना के जरिये भारत को बदनाम करने का प्रयास किया। दरअसल, पश्चिमी देशों की महाकाय दवा निमार्ता कंपनियां विकासशील देशों में अपने कारोबार को मिलने वाली किसी भी चुनौती के खिलाफ ऐसी साजिशें रचती रहती हैं। जिनसे भारत को सावधान रहने की जरूरत है। लेकिन सबसे ज्यादा चिंता की बात तो विश्व स्वास्थ्य संगठन की भूमिका को लेकर है, जिसने बिना किसी जांच के आरोप भारतीय दवा कंपनी पर लगा दिये। सर्वविदित है कि पूरे कोरोना संकट के दौरान डब्ल्यूएचओ पूरी तरह से नाकाम हुआ। वह कोरोना वायरस के मूल स्रोत का पता नहीं लगा सका। कहा तो यहां तक गया कि इसके प्रमुख की नियुक्ति में चीन की भूमिका रही जिसके चलते प्रमुख ने कोरोना संकट के बाद दुनिया के निशाने पर आये चीन का बचाव किया। निस्संदेह, अपनी तमाम नाकामियों पर पर्दा डालने के लिये यह संगठन बेतुकी बयानबाजी का सहारा ले रहा है। बहरहाल, भारतीय दवा कंपनियों को भी इस घटना के बाद सतर्क होकर अपने उत्पादों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

चोर बहनों की तिकड़ी

एक दर्जन से ज्यादा मामलों में वॉन्टेड, मुंबई पुलिस ने ऐसे पकड़ा...!

मुंबई : मुंबई पुलिस ने घर में घुसकर चोरी करने वाली तीन महिलाओं इना, मीना और डिका को गिरफ्तार किया है. मुंबई के कस्तूरबा मार्ग पुलिस स्टेशन के अन्तर्गत हुई चोरी के मामले को सुलझाते हुए मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच यूनिट ने तीन सगी बहनों को कुर्ला इलाके से गिरफ्तार कर लिया है. इन तीन बहनों पर चोरी के दर्जनों मामले दर्ज है. पुलिस ने बताया कि यह तीनों महिलाएं काफी शातिर हैं. दिन दहाड़े सुनसान सोसायटी में घुसकर चोरी करके फरार हो जाती हैं. क्राइम ब्रांच ने इनके पास से चोरी की 4 सोने की रिंग, 4 मोबाइल फोन और 24 हजार कैश जब्त किया है. इना , मीना और डिका नाम से कुख्यात तीनों बहनों का असली नाम सुजाता शंकर सकट, सारिका शंकर सकट और मिना उमेश इंगळे (उम्र 28) है.

क्या बोले क्राइम ब्रांच के अधिकारी?

मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने बताया की गौरतलब है कि 29 नंवबर को देवेंद्र लादुलाल बुधगर नामक व्यक्ति के घर मे घुसकर अंदर रखे लॉकर से करीब 4,86,000/-कीमत के सोने के गहने और कैश चोरी होने की शिकायत कस्तुरबा पुलिस स्टेशन में दर्ज हुई थी. लगातार हो रही इलाके में चोरी की घटना की जांच के लिए क्राइम ब्रांच ने इलाके में सीसीटीवी खंगालना शुरू किया. सीसीटीवी फूटेज में तीन संदिग्ध महिलाएं दिखाई दी. जांच में पता चला कि यह वही महिलाएं है जो घर मे घुसकर चोरी करती है.

जांच में सामने निकलकर आईं कई बातें...

जांच में खुलासा हुआ की पकड़ी गई महिला आरोपियों पर वनाराई पुलिस स्टेशन, विक्रोली पोलिस स्टेशन, मुलुंड, डोंबिवली, जुहू, सांताक्रुज, कांदीवली, घाटकोपर, ठाणे नगर पुलिस स्टेशन सहित दर्जनों मामले सभी महिलाओं पर दर्ज है. जांच में यह भी पता चला है कि यह शातिर चोर महिलाएं सगी बहनें है. यह तीनो कुर्ला की रहने वाली है. इनका पूरा खानदान चोरी करने का काम करता है. इन सभी पर मुंबई के दर्जनों पुलिस स्टेशन पर घर में घुसकर चोरी करने के कई मामले दर्ज हैं.

पुलिस ने कैसे गिरफ्तार किया?

जांच में पता चला की कैमरे में दिखने वाली महिला एक ऑटो रिक्शे में बैठ रही है. पुलिस ने उस ऑटो रिक्शा की जानकारी निकालकर उस महिला के ठिकाने का पता लगाया. तकनीकी जानकारी के आधार पर क्राइम ब्रांच के पुलिस अधिकारियों और टीम ने उन महिलाओं को कुर्ला इलाके से हिरासत में लेकर पूछताछ की. बाद में तीनों को गिरफ्तार करने के बाद उन्होंने पुलिस के हवाले से गहने और पैसे जब्त कर लिये हैं.

एक्टर अमित अंतिल पर टीचर के यौन शोषण का आरोप, मुंबई पुलिस ने दर्ज किया केस...

मुंबई : मुंबई पुलिस ने टीवी एक्टर और मॉडल अमित अंतिल के खिलाफ धमकी, यौन उत्पीड़न और जबरन वसूली का मामला दर्ज किया है। दक्षिण मुंबई की 42 साल की एक महिला शिक्षक ने मलबार हिल पुलिस स्टेशन में अमित के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। मिली जानकारी के मुताबिक, शिक्षिका का आरोप है कि उनकी अंतरंग फोटो सोशल मीडिया पर लीक करने की धमकी देकर टीवी एक्टर उन्हें ब्लैकमेल कर रहा है। साथ ही पैसे नहीं देने पर कथित तौर पर महिला के बच्चे को जान से मारने की धमकी दी है। अमित अंतिल ने कुछ रियलिटी शो और क्राइम शो में काम किया हैं। खबरों के मुताबिक शिकायत दर्ज कराने वाली शिक्षिका शादीशुदा है और पिछले साल अमित से उसकी दोस्ती हुई थी. इसके बाद दोनों की नजदीकियां बढ़ती गईं और दोनों नियमित रूप से मिलने लगे। आरोप है कि इस दौरान अमित ने महिला की जानकारी के बिना उसकी कुछ अंतरंग तस्वीरें क्लिक कर लीं थी।

गोद में नवजात और सदन में सवाल...

महाराष्ट्र विधानसभा में दुधमुंहे को लेकर पहुंचने वाली MLA सरोज बाबुलाल कौन?

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो गया है। कोरोना काल के बाद और प्रदेश में सत्ता हस्तांतरण के बाद नागपुर में होने वाला यह पहला अधिवेशन है। महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद को लेकर घमासान भी जारी है। वहीं एक आश्चर्यजनक नजारा विधानसभा के सत्र से पहले देखने को मिला। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की विधायक सरोज बाबूलाल अहिरे आज अपने नवजात बच्चे के साथ नागपुर में शीतकालीन सत्र में भाग लेने के लिए महाराष्ट्र विधानसभा पहुंचीं। नासिक से विधायक सरोज अहिरे अपने ढाई महीने के बच्चे को हाथों में लेकर विधानसभा पहुंचीं। वह इस साल सितंबर में मां बनीं।

'फर्जी ट्विटर अकाउंट के मुद्दे पर महाराष्ट्र को किया जा रहा गुमराह', अशोक चव्हाण बोले- 2015 से था एक्टिव

महाराष्ट्र : कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच जारी सीमा विवाद को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण का बयान सामने आया है. उन्होंने दावा किया है कि दोनों राज्यों के सीमा विवाद के बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के 'फर्जी' ट्विटर हैंडल के मुद्दे पर महाराष्ट्र को गुमराह किया जा रहा है. विधानभवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए जब चव्हाण से पूछा गया कि महाराष्ट्र सरकार इस मामले में चुप क्यों है? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि राज्य सरकार 'फर्जी' ट्विटर अकाउंट के मुद्दे पर विवाद को खत्म करने में कर्नाटक की मदद कर रही है, जिससे ''भड़काऊ टिप्पणियां'' की गईं.

चव्हाण ने उठाए कई सवाल

चव्हाण ने सोमवार (19 दिसंबर) को कहा कि ट्वीट में इस्तेमाल की गई भड़काऊ भाषा आपत्तिजनक है. उन्होंने कहा कि इस ट्विटर हैंडल को फर्जी बताया जा रहा है, लेकिन यह हैंडल जनवरी 2015 से सक्रिय था और ट्विटर की तरफ से वेरिफाइड किया गया है. अब तक कर्नाटक सरकार के सभी आधिकारिक फैसले इसी हैंडल पर पोस्ट किए जाते रहे हैं. उन्होंने पूछा कि अगर ट्विटर हैंडल फर्जी था तो महाराष्ट्र से जुड़े ट्वीट क्यों नहीं हटाए गए और ट्विटर अकाउंट अब भी कैसे एक्टिव है? उन्होंने कहा कि इस मामले में महाराष्ट्र सरकार को गुमराह किया जा रहा.

'बोम्मई की तरफ से पोस्ट नहीं किए गए थे ट्विट'

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पिछले हफ्ते कहा था कि महाराष्ट्र के कुछ क्षेत्रों का दावा करने वाले ट्विटर पोस्ट कर्नाटक के सीएम बोम्मई की तरफ से नहीं किए गए थे. इस मामले को लेकर गृह मंत्री अमित शाह ने भी कहा था कि शीर्ष नेताओं के नाम पर फर्जी ट्वीट ने भी इस मुद्दे को बढ़ाया है. उन्होंने कहा था कि फर्जी अकाउंट बनाने वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

शिंदे और बोम्मई ने की फोन पर बात

इस मामले को लेकर आज कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने खुद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से करीब 20 मिनट तक फोन पर बातचीत की. बोम्मई ने शिंदे को बताया कि उनके खिलाफ फेंक अकाउट से ट्विट करने वाले व्यक्ति का पता लगा लिया गया है. जल्द ही कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने बताया कि जिस व्यक्ति ने यह हरकत की है उसके राष्ट्रीय पार्टी से जुड़ा हुआ होने की बात सामने आई है.

पठान फिल्म के पोस्टर पर दीपिका की जगह मुख्यमंत्री योगी की तस्वीर लगाकर किया वायरल, केस दर्ज

पठान फिल्म को लेकर शुरू हुए विवाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीर मॉर्फ्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल की गई। इस मामले में साइबर क्राइम थाने के हेड कांस्टेबल ने तहरीर दी है। जिस पर केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच साइबर क्राइम थाने की टीम कर रही है। प्रभारी निरीक्षक साइबर क्राइम थाना मोहम्मद मुस्लिम खां के मुताबिक पठान फिल्म के विवाद में ट्विटर हैंडल @azaarSRK से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीर मॉर्फ्ड कर दीपिका पादुकोण की जगह लगाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। इस मामले में साइबर क्राइम थाने के मुख्य आरक्षी की तहरीर पर आईपीसी की धारा 295ए और आईटी एक्ट की धारा 66 में केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

बलवंत हत्याकांड: कानपुर देहात में परिवार से मिले अखिलेश, बोले-

पत्नी को सरकारी नौकरी व 1 करोड़ मुआवजा दे सरकार

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव सोमवार को कानपुर देहात पहुंचे। पुलिस की बर्बरता का शिकार हुए व्यापारी बलवंत सिंह के परिजनों से अखिलेश मुलाकात करने उनके घर पहुंचे। अखिलेश के स्वागत के लिए भारी संख्या में सपाई कानपुर देहात पहुंचे। मौके पर भीड़ इतनी बढ़ गई कि पुलिस और पब्लिक के बीच धक्का मुक्की हो गई। पूर्व मुख्यमंत्री ने बलवंत सिंह के परिजनों को पांच लाख रुपये समाजवादी पार्टी की ओर से देने की बात कही। भाजपा से रिटायर जज से मामले की जांच की मांग की। साथ ही सरकार से बलवंत की पत्नी को सरकारी नौकरी व एक करोड़ मुआवजा देने की बात कही।

पत्नी शालिनी ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मदद की गुहार लगाई थी। इसके लिए शालिनी ने उन्हें पत्र भेज बड़ा भाई बताते हुए बहन की मदद की बात लिखी थी। शिवली के लालपुर सरैंया निवासी बलवंत सिंह की पुलिस की पिटाई से मौत हो गई थी। बलवंत की पत्नी शालिनी ने अखिलेश यादव के नाम एक पत्र लिखा था। पत्र में शालिनी ने लिखा था कि मैं बलवंत की पत्नी शालिनी आपसे हाथ जोड़कर निवेदन करती हूं कि मेरे पति को पुलिस हिरासत में मार दिया गया। अब आप को मुझे इंसाफ दिलाने के मेरे घर आना होगा। मेरे पति की मौत के मामले में मुझे न्याय दिलाने के लिए मेरे साथ खड़े हों।

यह था मामला

शिवली के मैथा क्षेत्र में सराफा व खाद व्यापारी चंद्रभान सिंह को बाइक सवार बदमाशों ने छह दिसंबर को लूट लिया था। इस वारदात का खुलासा करने के लिए एसओजी व शिवली थाना पुलिस ने संदेह के आधार पर पांच लोगों को हिरासत में लिया था। इसमें चंद्रभान का भतीजा व व्यापारी बलवंत सिंह भी शामिल था। रनियां थाने में पूछताछ के दौरान पुलिस वालों ने बेरहमी से बलवंत को पीटा था। इससे उसकी जान चली गई थी। मामले में एसपी सुनीति ने 11 पुलिसकर्मियों को निलंबित था। बलवंत हत्याकांड में तत्कालीन एसओजी प्रभारी निलंबित दरोगा प्रशांत गौतम, हेड कांस्टेबल दुर्वेश कुमार और कांस्टेबल सोनू यादव को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी थी। अभी इस मामले में चार पुलिस कर्मी फरार हैं। बलवंत प्रकरण की जांच कन्नौज एसपी के नेतृत्व में गठित एसआईटी कर रही है।

मां बनने के बादसोनम कपूर पर चढ़ा फिट होने का बुखार

शेयर किया वर्कआउट वीडियो....

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर आहूजा ने हाल में एक बच्चे को जन्म दिया है. एक्ट्रेस इन दिनों बेटे वायु (१८४) के साथ रुटीन वीडियो और तस्वीरें शेयर करती रहती हैं. मदरहुड को एंजॉय करते हुए सोनम अपनी फिट फिगर में वापस लौटने के लिए भी मेहनत करने लगी हैं.

बेटे के जन्म के 4 महीने बाद ही फिट हुई सोनम

मां बनने के बाद भी सोनम कपूर का फिट रहने का जुनून कम नहीं हुआ है, एक्ट्रेस ने 20 अगस्त, 2022 को अपने फर्स्ट बेबी को जन्म दिया था. आनंद आहूजा से शादी के 4 साल बाद सोनम ने मां बनने का फैसला किया था. प्रेग्नेंसी के दौरान एक्ट्रेस का कुछ वजन बढ़ा गया था. इसके लिए अब वह वापस फिगर मेंटेन करने की कोशिश कर रही हैं. बेबी को जन्म देने के चार महीनों के अंदर ही सोनम वापस फिटनेस में आ गई हैं. एक्ट्रेस ने अपने गजब ट्रांसफॉरमेशन से सभी को चौंका दिया है. फिलहाल, सोशल मीडिया पर सोनम कपूर का पोस्ट-पार्टम वर्कआउट रूटीन वीडियो सामने आया है.

बच्चे को जन्म देना है एक स्वार्थी फैसला

37 साल की एक्ट्रेस ब्लैक ब्रालेट के साथ श्रग, जॉगर्स पैंट और शूज में फिट नजर आ रही थीं. सोनम के लेटेस्ट वीडियो न्यू मॉमी एक्ट्रेसेस के लिए इंस्पिरेशन का काम करेंगे. इससे पहले सोनम ने बेबी के आने के बाद कई फैशन इवेंट्स में भाग लिया है. वोग इंडिया के साथ एक इंटरव्यू में, 'नीरजा' एक्ट्रेस ने मदरहुड अपनाने के बारे में बात करते हुए कहा कि मां बनना एक निजी और स्वार्थी फैसला है. सोनम ने कहा, 'प्राथमिकताएं बदलती हैं और मुझे लगता है कि बच्चा मेरा बन जाएगा. इस मामले की सच्चाई ये है कि उन्होंने इस दुनिया में आना नहीं चुना. आपने उन्हें यहां लाने का फैसला किया है, इसलिए यह बहुत स्वार्थी फैसला है.'' बता दें कि, सोनम कपूर और आनंद आगूजा ने साल 2018 में शादी की थी. शादी के 4 साल बाद कपल ने अपने बच्चे का वेलकम किया था. फिलहाल दोनों बेटे के आने से काफी खुश हैं.

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : मंगलवार, 20 दिसंबर 2022

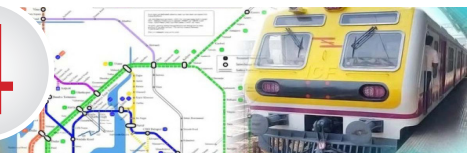

महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए 98 प्रतिशत से अधिक भूमि का अधिग्रहण पूरा: रेल मंत्रालय

नयी दिल्ली : मुंबई और अहमदाबाद के बीच रेलवे की महत्वाकांक्षी बुलेट ट्रेन परियोजना पर काम तेज हो गया है और मंत्रालय ने सोमवार को दावा किया कि इस परियोजना के लिए महाराष्ट्र में 98 प्रतिशत से अधिक जमीन का अधिग्रहण कर लिया गया है। रेल मंत्रालय ने कहा कि 118 किलोमीटर से अधिक की दूरी के लिए जमीनी ढांचा तैयार किया जा रहा है और बुलेट ट्रेन स्टेशन के निर्माण का काम भी शुरू हो गया है।

ऐसा प्रतीत होता है कि महाराष्ट्र में सरकार बदलने के साथ, वन मंजूरी और भूमि अधिग्रहण के मामले में परियोजना की मुश्किलें दूर हो गई हैं। सिलसिलेवार ट्वीट में मंत्रालय ने दावा किया कि जहां महाराष्ट्र में 98.22 प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण हो चुका है, वहीं गुजरात में 98.87 प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण किया गया है तथा दादरा और नगर हवेली में परियोजना के लिए शत-प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण हो चुका है।

मंत्रालय ने कहा कि 23 नवंबर तक कार्य में प्रगति 24.1 प्रतिशत थी, जबकि गुजरात में लगभग 30 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, जबकि महाराष्ट्र में अब तक लगभग 13 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना 508 किलोमीटर की है और इसका अधिकतर हिस्सा गुजरात में पड़ता है। परियोजना की कार्यान्वयन एजेंसी नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) को महाराष्ट्र में बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स और ठाणे, विरार तथा बोइसर में नेटवर्क विकसित करना है।अधिकारियों ने कहा कि गुजरात में लगभग सभी सिविल कार्य की जिम्मेदारी सौंपी जा चुकी है, साथ ही पाया और नदियों के सभी छोटे और बड़े पुलों का निर्माण किया गया है। खंभों पर ऊपरी ढांचा लगाने का काम भी शुरू हो गया है। बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में बुलेट ट्रेन स्टेशन और भूमिगत सुरंग के निर्माण के लिए अनुबंध भी दे दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि खंभों और ऊपरी ढांचे से जुड़ा कार्य जल्द ही गुजरात की तरह महाराष्ट्र में भी दिखाई देगा। गुजरात में आणंद, सूरत, वडोदरा, भरूच, विलिमोरा, वापी और नवसारी जिलों में बुलेट ट्रेन स्टेशन का निर्माण शुरू हो गया है।

येऊर के ढाबों पर आबकारी विभाग की कार्रवाई, 12 ढाबा मालिक गिरफ्तार...

ठाणे : ठाणे शहर से करीब 16 सौ वर्ग फुट पर बसे येऊर पहाड़ी पर अवैध रूप चल रहे ढाबों और इनमें परोसे जा रहे शराब को लेकर शिकंजा कस्ते हुए 12 ढाबों पर कार्रवाई कर इनके मालिकों को आबकारी विभाग ने गिरफ्तार कर लिया हैं। साथ ही हजारों रुपए मूल्य का शराब भी बरामद किया है। क्रिसमस और नए साल के स्वागत की पूर्व संध्या पर अवैध शराब की बिक्री पर कार्रवाई को लेकर राज्य का आबकारी विभाग अलर्ट मोड पर है। अभियान में तेजी लाने के लिए विभाग ने जिले भर में पांच टीम तैनात की हैं। हाल ही में संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के येऊर जंगल में अवैध शराब बेचने के आरोप में टीम ने 12 अवैध शराब दुकानों पर छापेमारी की है। टीम ने 12 लोगों को गिरफ्तार भी किया है। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने कहा कि इस तरह के अभियान पूरे जिले में जारी रहेंगे।

आबकारी विभाग ने गठित की पांच टीमें

गौरतलब है कि ठाणे जिला मुंबई से काफी दूर है और क्रिसमस और नए साल की पूर्व संध्या पर जिले के पर्यटन स्थलों पर गुप्त रूप से शराब पार्टियों का आयोजन किया जाता है। संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में येऊर वन क्षेत्र में भी स्थिति ऐसी ही है। हालांकि यह क्षेत्र पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील है, इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में टीले हैं। पर्यावरण कार्यकताओं ने शिकायत की है कि प्रशासन की लापरवाही के कारण इलाके में अक्सर देर रात तक शराब पार्टियां चलती रहती हैं। उनके पास आबकारी विभाग का शराब बिक्री का लाइसेंस तक नहीं है। आबकारी विभाग ने इस तरह की शराब की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए मंडल उपायुक्त प्रसाद सुर्वे और जिला अधीक्षक निलेश सांगड़े के मार्गदर्शन में जिले में पांच दस्ते गठित किए हैं। इसी बीच, आबकारी विभाग को सूचना मिली थी कि शनिवार की रात येऊर जंगल में कुछ ढाबों पर शराब की बिक्री की जा रही है।

नालासोपारा में पेड़ के नीचे पढ़ने को मजबूर मानपाड़ा जिला परिषद विद्यालय के छात्र

नायगांव : एक ओर वसई-विरार शहर में निजी विद्यालयों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है, वहीं दूसरी ओर मानपाड़ा जिला परिषद विद्यालय को शिक्षा विभाग नजरअंदाज कर रहा है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे मानपाड़ा जिला परिषद विद्यालय में पढ़ने वाले लगभग 110 छात्र चार माह पूर्व बरसात से ही खुले में पेड़ के नीचे बैठकर पढ़ाई कर रहे हैं. लेकिन शिक्षा विभाग बच्चों को होने वाली परेशानी की अनदेखी कर रहा हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द बच्चों के लिए विद्यालय की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की हैं। नालासोपारा पूर्व के पेल्हार क्षेत्र स्थित जिला परिषद के मानपाड़ा स्कूल में पेड़ों से लटके बैनर, उनके सामने रखे गए बोर्ड और उसके बीच अवकाश के दौरान गांव में घूमते छात्र नजर आ रहे हैं। जून माह में इस स्कूल का भवन गिर जाने के बाद से इस स्कूल में पढ़ने वाले 110 छात्र पिछले बरसात से ही खुले में पढ़ाई कर रहे हैं।

ग्रामीणों ने की है ये मांग

भवन गिरने के बाद शिक्षा विभाग को इन बच्चों को छत के साथ वैकल्पिक सुविधा मुहैया करानी चाहिए थी, लेकिन ऐसा करने के बजाय पेड़ों के नीचे बैठाकर छात्रों को पढ़ाया जा रहा हैं। ऐसे में इन बच्चों को धूल के साम्राज्य में पेड़ों की गिरती पत्तियों और अब शुरू हुई ठंड में बैठकर पढ़ाई करना पड़ रहा हैं। इन बच्चों के बैठने के लिए जगह उपलब्ध नहीं होने के कारण ग्रामीणों ने बच्चों को पेड़ के नीचे जगह उपलब्ध कराने की पहल की है। लेकिन इन बच्चों को खुले में शिक्षित करना कितना उचित है? ऐसे सवाल लगातार उठाए जा रहे हैं।

भिवंडी में बिजली के खंबे से टकराई बस, हादसे में पांच मेडिकल के विद्यार्थी हुए घायल... एक राहगीर की हुई मौत

भिवंडी : भिवंडी-वाडा रोड नदीनाका के पास बस का संतुलन बिगड़ कर बिजली खंबे से टकरा जाने से बस में बैठे होम्योपैथिक कॉलेज के पांच विद्यार्थी घायल हो गए और सड़क किनारे से पैदल जा रहे एक राहगीर की मौत हो गई है। भिवंडी तालुका पुलिस ने घायल विद्यार्थियों को आईजीएम अस्पताल में उपचार के बाद घर भेज दिया और राहगीर के शव का पंचनामा के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार,आनगांव दुगाड गांव में होम्योपैथिक कॉलेज के विद्यार्थियों को लेकर जाने

वाली बस शेलार ग्राम पंचायत स्थित केशव नगर, संतोष डाइंग के पास संतुलन खोकर अचानक बिजली के खंबे से जा टकराई। बस खंभे में टकराने से बस में आगे सवार विद्यार्थियों को हाथ, शरीर में मामूली चोट लगी और सड़क किनारे से पैदल जा रहे संजय लाल बहादुर सिंह नामक पावरलूम मजदूर बस की चपेट में आ गया जिसकी घटनास्थल पर मौत हो गई। बिजली खंबे की टक्कर से बस भी क्षतिग्रस्त हो गई है। भयवश बस चालक बस को छोड़ कर फरार हो गया। भिवंडी तालुका पुलिस बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश कर रही है। गौरतलब है कि भिवंडी वाड़ा मार्ग पर सड़क के मरम्मत का कार्य बेहद मंद गति से चल रहा है। मार्ग निर्माण और मरम्मत करने वाले ठेकेदार मनमानी तरीके से काम कर रहे हैं।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com